जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, शुक्रवार 30 सितम्बर, 2022

सत्यमेव जयते

राजस्थान सरकार

I M Shakti

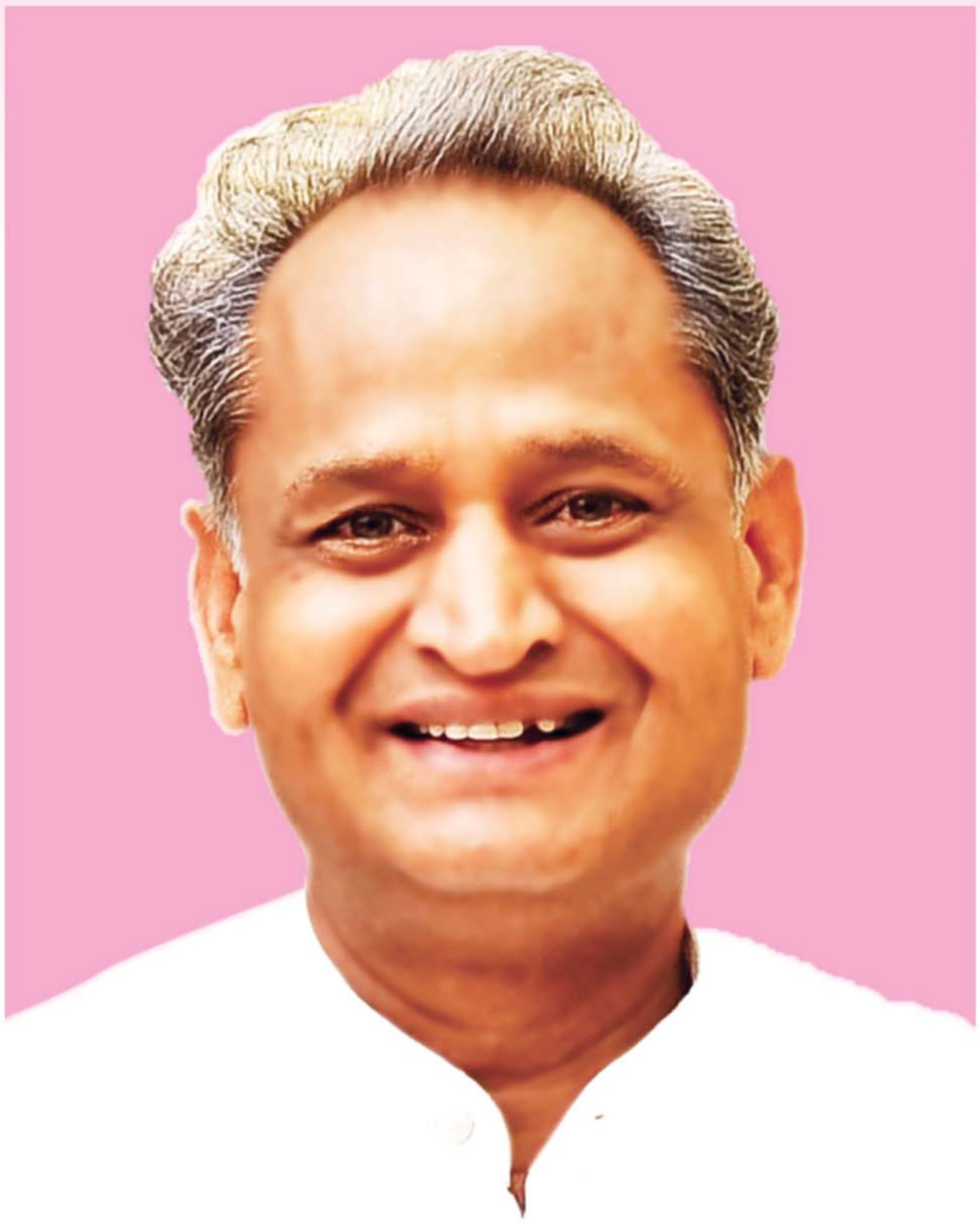

आत्मविश्वास की नई उड़ान
हर नारी का स्वाभिमान

उड़ान

राज्य बजट घोषणा

प्रदेश की समस्त किशोरियों और महिलाओं के लिए

नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण का संकल्प

“माहवारी महिलाओं की एक सामान्य प्राकृतिक प्रक्रिया है। आज हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। अब हमें माहवारी के बारे में खुलकर चर्चा करनी चाहिए। परिवार में महिलाओं को संकोच छोड़कर इसके बारे में बात करनी चाहिए। हमने नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन वितरण की योजना शुरू की है। यह योजना महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।”

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

क्यों ज़रूरी है सेनेटरी नैपकिन

माहवारी के बारे में जागरूकता न होने से समाज का पिछड़ापन और मानसिक रूढ़िवादिता उजागर होती है। लड़कियों और महिलाओं को माहवारी के बारे में शिक्षित करने और सबसे जरूरी, सेनेटरी पैड की सर्वसुलभ उपलब्धता एक सराहनीय पहल है।

डॉ. सुधीर भण्डारी

कुलपति, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर

पीरियड्स में सेनेटरी नैपकिन या पैड न इस्तेमाल करने से यूरिन इन्फेक्शन, सर्विक्स इन्फेक्शन, फैलोपियन ट्यूब एवं ओवरी (अंडाशय) में इन्फेक्शन, इनफर्टिलिटी (बाँझपन) एवं सर्वाइकल कैंसर तक हो सकता है। राज्य सरकार की ओर से सेनेटरी नैपकिन की नि:शुल्क वितरण योजना किसी वरदान से कम नहीं है।

डॉ. पुष्पा नागर

वरिष्ठ आचार्य, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, सवाई मानसिंह चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर

एक अध्ययन के अनुसार देश में लगभग 62% महिलाएं पीरियड्स के समय सेनेटरी नैपकिन की जगह कपड़े का प्रयोग करती हैं। पीरियड्स के दौरान इस्तेमाल की गई अनहाइजिनिक (अस्वच्छ) वस्तुओं से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है। अतः सेनेटरी नैपकिन का उपयोग अत्यन्त आवश्यक है।

प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों के माध्यम से महिलाओं को प्रतिमाह 12 सैनिटरी नैपकिन का नि:शुल्क वितरण

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद